माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 2019 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	3 0 0	हिन्दी

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.भोपाल BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYA...

5824996

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

0	1	9	2	4	3	7	4	8	1

शब्दों में

-	एक	नौ	दो	चार	तीन	सात	चार	आठ	एक

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 1 शब्दों में एक

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 12

ग :– परीक्षा का दिनांक 08 03 19

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

High School Cert Examination

केन्द्र क्रमांक: 241044

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
भरतराय Roy	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
एस.एल.बरैये (शिक्षक) शास.उ.मा.वि.उकवा परीक्षक क्र.–781305	एस.कट ... (...त.) शा.हाईस्कूल.डाइट बालाघाट प्री.क्र. – 781324

(...A.)
G.H.S.S.Rajegaon
V.No.-781336

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		

...शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

3

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न क्र.

प्रश्न 1 का उत्तर

(A.) iv सड़क दुर्घटना

(B.) ii 1962 ई. मे

(C.) i प्राथमिक

(D.) iii प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष दोनो

(E.) ii राजस्थान मे

प्रश्न 2 का उत्तर

(अ.) ग्रामीण एवं वन सुरक्षा समितियो

(ब.) मध्य प्रदेश

(स.) बहादुर शाह जफर

(द.) प्रारूप समिति

(इ.) कार्ल मार्क्स

4 + पृष्ठ =

प्रश्न क्र.

प्रश्न 3 का उत्तर

(अ.) भारतीय रेलवे विश्व में अब चौथे (4) नंबर की रेल प्रणाली हो गई है।

(ब.) भारत में मौलिक अधिकारों की संरक्षक सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court) है।

(स.) पार्षद (न्यूनतम आयु 25 वर्ष)

(द.) एक लम्बे और स्वस्थ जीवन के मापन हेतु जन्म के समय जीवन प्रत्याशा।

(इ.) राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस - 24 दिसम्बर

प्रश्न 4 का उत्तर

(अ.) असत्य

(ब.) असत्य

(स.) सत्य

(द.) सत्य

(इ.) सत्य

5 [ ] + [ ] = [ ]

योग पृष्ठ ... अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न 5 का उत्तर

अ		ब
(अ.) आकाशवाणी	-	1957
(ब.) स्वामी विवेकानन्द	-	रामकृष्ण मिशन
(स.) चरण पादुका गोलीकाण्ड	-	छतरपुर
(द.) परिवहन एवं संचार	-	तृतीयक क्षेत्र
(इ.) सीमेन्ट का कारखाना	-	द्वितीयक क्षेत्र

प्रश्न 6 का उत्तर

तात्कालिक कारण - बैरकपुर छावनी मे 29 मार्च 1857 को मंगल पांडे नामक सैनिक ने चर्बी वाले कारतूसों को रायफल मे भरने से इन्कार कर दिया और उत्तेजित होकर कुछ अंग्रेज अधिकारियों की हत्या कर दी। फलतः 8 अप्रैल 1857 को उसे फांसी दे दी गई। यही घटना 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण बनी।

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न 7 का उत्तर

अधोसंरचना से अभिप्राय उन सुविधाओं क्रियाओं सेवाओं से है जो उत्पादन के अन्य क्षेत्रों के संचालन तथा दैनिक जीवन में सहायक होती है।
अधोसंरचना 2 प्रकार की होती है-
(i) आर्थिक अधोसंरचना
सामाजिक अधोसंरचना

प्रश्न 8 का उत्तर

लार्ड कर्जन ने 1905 में "फूट डालो शासन करो" की नीति का अनुसरण करते हुए बंगाल का दो भागों में विभाजन कर दिया। उसने बंगाल की जनता की एकता में फूट डालने और वहाँ हिन्दु व मुसलमानों में राष्ट्रवादी भावनाओं को दबाने के उद्देश्य से विभाजन का क्रूर षड्यंत्र रचा था। जिससे बंगाल में विस्फोटक स्थिति उत्पन्न हो गई।

प्रश्न 9 का उत्तर

बाढ़ नियंत्रण के उपाय-
(I) नदियों के ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्रों में जलाशय बनाए जा सकते हैं।
नदियों के ऊपरी जल संग्रहण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया जाए।
तटबंधों की सुरक्षा की ओर ध्यान दिया जाए।
तटबंधों के बीच फंसे लोगों के पूर्ण व आंशिक पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।

7

प्रश्न 10 का उत्तर

उपभोक्ता शोषण- उपभोक्ता शोषण से आशय उपभोक्ताओं को कम वजन तौलना, अधिक कीमत वसूलना, मिलावटी व दोषपूर्ण वस्तुएँ बेचना भ्रमित विज्ञापन देकर उपभोक्ताओं को गुमराह करना आदि से है।

प्रश्न 11 का उत्तर

मानव जीवन में मृदा का महत्व बहुत अधिक है। विशेषकर किसानों के लिए। समस्त मानव जीवन मिट्टी पर निर्भर करता है। समस्त प्राणियों का भोजन प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप मिट्टी से ही प्राप्त होता है। भारत में लाखों घर मिट्टी के बने हुए हैं हमारा पशुपालन उद्योग कृषि व वनोद्योग मिट्टी पर आधारित है। मिट्टी इस प्रकार हमारे जीवन का प्रमुख आधार है।

विलकॉक्स के अनुसार "मानव सभ्यता का इतिहास मिट्टी का इतिहास है एवं प्रत्येक व्यक्ति की शिक्षा मिट्टी से ही प्रारंभ होती है।"

8

प्रश्न क्र.

प्रश्न 12 ब. उत्तर

राजनीतिक कारण - अँग्रेजों की राज्य विस्तार नीति के कारण भारतीय राजाओं एवं जमींदारों में असंतोष व्याप्त था। लार्ड वेलेजली की सहायक संधि व्यवस्था एवं लार्ड डलहौजी की विलय नीति के कारण भारतीय प्रदेशों को अनुचित तरीकों से कंपनी साम्राज्य में विलय कर लिया गया। पंजाब, ~~सिक्किम~~, सतारा, झांसी, नागपुर जैतपुर, सम्भलपुर आदि को कंपनी साम्राज्य में विलय कर लिया गया। अवध, तंजोर, कर्नाटक के नवाबों की राजकीय उपाधियाँ समाप्त कर राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न कर दी। अंतिम मुगल सम्राट के प्रति भी अंग्रेजों का व्यवहार अनादर पूर्ण होता चला गया। इससे शासक परिवारों में घबराहट फैल गई। इसके अलावा अंग्रेजों ने जिन राज्यों पर अधिकार किया वहाँ के सैनिक, कारीगर ... अन्य व व्यवसाय से जुड़े लोग भी ...ावित हुए। भारतीय सरदारों, जमींदारों से ...नकी जमीन छीन ली गई जिससे भारतीय ...सकों में अत्यधिक असंतोष व्याप्त हुआ।

B
S
E

(9) =

प्रश्न क्र.

प्रश्न 13 ग उत्तर

उग्र राष्ट्रवाद के उदय के कारण-

(1.) प्राकृतिक प्रकोप (दुर्भिक्ष व प्लेग)- 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भारत में प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना पड़ा था। अकाल के समय भारत की ब्रिटिश सरकार दिल्ली दरबार के शानदार आयोजन में व्यस्त थी। 1896 में बम्बई में प्लेग की महामारी फैली। भारतीय में प्राकृतिक प्रकोप एवं उनके प्रति विदेशी सरकार के उपेक्षापूर्ण रवैये के कारण उग्र राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

(2.) संवैधानिक आंदोलनों की विफलता- उदारवादी दल की अनेक प्रार्थनाओं, याचिकाओं के बाद ब्रिटिश सरकार ने 1892 में भारतीय परिषद अधिनियम पारित किया। परंतु इसमें भी भारतीयों को कोई विशेष अधिकार नहीं दिए थे। वैधानिक उपायों द्वारा राजनीतिक अधिकार प्राप्त करने की समस्त आशाएँ धूमिल हो गई।

(3.) आर्थिक नीति- ब्रिटिश सरकार की आर्थिक नीति से भारतीय कृषि व उद्योगों को क्षति पहुँची। ब्रिटिश सरकार की आर्थिक नीति पूंजीपतियों के हित संरक्षण की थी। इससे भारतीय उद्योग व्यापार नष्ट होकर जनता उग्र राष्ट्रवाद की ओर अग्रसर हुई।

प्रश्न क्र.

प्रश्न 14 का उत्तर

परिवहन के साधन आज आवश्यक आवश्यकता बन गए। जैसे-जैसे मानव सभ्यता की ओर अग्रसर होता गया मानव सभ्यता का इतिहास परिवहन का इतिहास बन गया। और परिवहन के साधन मानव सभ्यता की प्रगति के पथ प्रदर्शक बन गए-

(1.) दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति - रेल, सड़क, परिवहन और इनके साधन मण्डी के लिए कृषि उपजें, उपभोक्ताओं के लिए तैयार माल, व्यापारियों के लिए दूरस्थ माल आदि सुलभ कराते है। हमारी छोटी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति मे परिवहन के साधन उपयोगी होते हैं।

(2) राष्ट्रीय प्रगति सूचक - परिवहन के साधन राष्ट्रीय प्रगति, समृद्धि के सूचक है। इनके द्वारा ही माल एवं यात्री की ढुलाई का काम नियमित, विश्वसनीय तीव्रगामी होता है।

(3.) विश्वव्यापीकरण को बढ़ावा - परिवहन व संचार के सुलभ साधनों द्वारा दुनिया बहुत छोटी हो गई है। एक देश के बाजारों मे होने वाले परिवर्तन का प्रभाव अन्य देश के बाजारों पर अवश्य पड़ता है। परिवहन के साधन एक देशों के लोगों को परस्पर मित्रता को बढ़ावा मिलता है।

प्राकृतिक आपदाओं के समय मददगार

B
S
E

(11)

प्रश्न 15 का उत्तर

नागरिकों के सर्वांगीण विकास के लिए मौ. अधिकार आवश्यक है। संविधान में नागरिकों को मौ. अधिकार प्रदान किए गए हैं। ये अधिकार नि. हैं-

1. समानता का अधिकार- इस अधिकार के द्वारा नागरिकों को कानून के समक्ष समानता दे दी गई है। उपाधियों का अंत कर दिया गया है। सरकारी नौकरियों में धर्म, भाषा, लिंग का भेदभाव किए बिना समानता है।

2. स्वतंत्रता का अधिकार- इस अधिकार के द्वारा नागरिकों को शांतिपूर्ण सभा करने, भाषण देने, देश में कहीं भी घूमने-फिरने, निवास करने व देश में कहीं भी व्यवसाय करने की स्वतंत्रताएं प्रदान की गई हैं।

3. शोषण के विरुद्ध अधिकार- सभी नागरिकों को शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने का अधिकार है। इसके द्वारा मानव का क्रय विक्रय, किसी से बेगार कराने व 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को कारखानों, खदानों अन्य खतरे वाली जगहों पर कार्य कराने पर रोक लगा दी गई है।

4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार- प्रत्येक व्यक्ति को किसी भी धर्म के अनुसरण का अधिकार है। अपने धर्म प्रचार-प्रसार, धार्मिक संस्थाएँ खोलने व चलाने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है।

5. संस्कृति व शिक्षा संबंधी अधिकार- देश में सभी नागरिकों को, भाषा-लिपि-संस्कृति को सुरक्षित रखने व अपनी प्रसार करने का अधिकार है।

संवैधानिक उपचारों का अधिकार- उपर्युक्त पांच अधिकारों का आक्षेप या छीना जाए चाहे वह सरकार की तरफ से क्यों न हो इस अधिकार से सर्वोच्च न्यायालय में अपील कर सकते हैं।

(12)

प्रश्न क्र.

प्रश्न 16 का उत्तर

पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली की विशेषताएँ

(1.) उत्पत्ति के साधनों पर निजी स्वामित्व - पूँजीवादी प्रणाली की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें उत्पत्ति के साधनों पर निजी स्वामित्व होती है। इस प्रकार धन कमाने एवं उसे इच्छानुसार उपयोग करने की स्वतंत्रता होती है।

(2.) आर्थिक स्वतंत्रता - इस प्रणाली में अपनी इच्छानुसार व्यवसाय चुनने एवं चलाने की स्वतंत्रता रहती है। उपभोक्ताओं को भी अपनी रुचि एवं आदत के अनुसार वस्तुओं को चुनने की स्वतंत्रता रहती है।

(3.) लाभ की भावना - इस प्रणाली में लाभ की भावना का महत्वपूर्ण स्थान है। इसलिए लाभ को पूँजीवादी प्रणाली का हृदय कहा जाता है। उत्पादक अपनी प्रत्येक गतिविधि अपने लाभ को बढ़ाने के लिए करते हैं। उद्यमियों का मुख्य लक्ष्य लाभ को बढ़ाना होता है।

(4.) शोषण पर आधारित - पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली में दो वर्ग होते हैं यथा पूँजीपति वर्ग व श्रमिक वर्ग। पूँजीपति वर्ग अपने लाभ को बढ़ाने के लिए श्रमिकों को कम मजदूरी देते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि यह प्रणाली शोषण पर आधारित है।

B S E

प्रश्न 17 का उत्तर

भारतीय संविधान की विशेषताएं -
(1) लिखित व विस्तृत संविधान - भारत का संविधान लिखित व निर्मित संविधान है। इसका निर्माण विधिवत संविधान सभा द्वारा निश्चित समय व योजना के अनुसार किया गया है। भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान है भारत के वर्तमान संविधान मे 395 अनुच्छेद व 12 अनुसूचियां हैं जो 22 भागों मे विभाजित है। जब कि अमेरिका के संविधान मे 7, कनाडा के संविधान मे 147 व आस्ट्रेलिया के संविधान मे 128 अनुच्छेद ही हैं।
(2) संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न गणराज्य - संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न का अर्थ है भारत अपनी आंतरिक व विदेश नीति का निर्धारण स्वयं करेगा। भारत पर किसी विदेशी सत्ता का अधिकार नहीं है। भारत अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र मे अपनी इच्छानुसार आचरण कर सकता है।
(3) इकहरी नागरिकता - इकहरी नागरिकता का अर्थ है कि प्रत्येक व्यक्ति भारत का नागरिक है। चाहे वह वह किसी भी राज्य मे रहता हो वह अपने राज्य जैसे म०प्र०, उ०प्र० का नागरिक नहीं होता है। भारत का प्रत्येक नागरिक देश मे कहीं भी रोजगार प्राप्त कर सकता है व समान अधिकारों का प्रयोग कर सकता है।
(4) सार्वभौम व्यस्क मताधिकार - व्यस्क मताधिकार का अर्थ देश मे प्रत्येक नागरिक निश्चित आयु पर वोट (मत) देने के अधिकार से है। भारत मे यह अधिकार

प्रश्न क्र

18 वर्ष की आयु प्राप्त सभी नागरिकों को धर्म भाषा, लिंग का भेदभाव किए बिना प्राप्त है।

प्रश्न 18 का उत्तर

खरीफ की फसलें	रबी की फसलें
1. वर्षा ऋतु के आगमन पर जून-जुलाई मे बोई जाती हैं।	1. शरद ऋतु के आगमन पर दशहरे के पश्चात अक्टूबर-नवम्बर मे बोई जाती है।
2. ज्वार, बाजरा, पटसन, मूँगफली, मक्का आदि खरीफ की फसलें है।	2. गेहूं, जौ, चना, सरसों, अलसी जैसे तेल निकलने वाले बीज आदि रबी की फसलें हैं।
3. इनके उत्पादन में कम समय लगता है।	3. इनके उत्पादन मे अधिक समय लगता है।
4. इनका प्रतिहेक्टेयर उत्पादन कम होता है।	4. इनका प्रतिहेक्टेयर उत्पादन अधिक होता है।
5. शरद ऋतु के आगमन पर दशहरे के पश्चात काट ली जाती है। अर्थात पककर तैयार हो जाती हैं। अक्टूबर-नवम्बर में	5. ग्रीष्म ऋतु के आगमन पर मार्च-अप्रैल में ये पककर तैयार हो जाती हैं इन्हें काट लिया जाता है।

B
S
E

15

क्र.

प्रश्न 19 का उत्तर

1 मादक पदार्थों का शरीर पर प्रभाव -

(1.) स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव - मादक पदार्थों का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। धीरे-2 शरीर शिथिल होने लगता है और रोग उसे घेर लेते हैं।

(2) मानसिक कार्यक्षमता पर प्रभाव - मादक पदार्थों के सेवन से शारीरिक व मानसिक कार्यक्षमता कम हो जाती है। जल्दी थक जाते हैं अधिक कार्य करने की शक्ति नहीं रहती।

(3.) आर्थिक स्थिति - मादक पदार्थों के सेवन से आर्थिक स्थिति बिगड़ जाती है। घर पर होने वाला व्यय नशों की भेंट चढ़ जाता है। घरेलु झगड़े बढ़ जाते हैं। पारिवारिक कलह बढ़ने से बच्चों का विकास प्रभावित होता है।

(4.) सामा० प्रतिष्ठा पर प्रभाव - सामाजिक प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नशेड़ी लोगों को समाज में अच्छी दृष्टि से नहीं देखा जाता। परिवार अपमानित होता है। समाज पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

(5.) दुर्घटनाएँ - इनके सेवन से दुर्घटनाएँ, झगड़े चोरी, व्यभिचारी आदि की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। शासन को मुश्किल होती है और कानून व्यवस्था बिगड़ती है।

16

प्रश्न क्र.

प्रश्न 20 का उत्तर

कांग्रेस का 44 वाँ अधिवेशन 1929 में लाहौर में हुआ था। पं. जवाहर लाल नेहरू इस अधिवेशन के अध्यक्ष थे। उन्होने कहा कि "हमारे सामने एक ही ध्येय है वह है पूर्ण स्वाधीनता का।" कांग्रेस कार्यसमिति ने 'पूर्ण स्वाधीनता' के प्रस्ताव को पारित किया। 31 दिसंबर 1929 को कांग्रेस अध्यक्ष ने अर्धरात्रि में रावी नदी के तट पर पूर्ण स्वाधीनता का ध्वज फहराया और कांग्रेस कार्यसमिति ने घोषित कि "26 जनवरी 1930" को "पूर्ण स्वाधीनता दिवस" मनाया जाएगा। परिणामस्वरूप संपूर्ण देश में पूर्ण स्वाधीनता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इसी अधिवेशन में कांग्रेस ने कांग्रेस कार्यसमिति को "सविनय अवज्ञा आन्दोलन" चलाने के लिए स्वीकृति प्रदान की।

इन्हीं कारणों से लाहौर अधिवेशन 1929 का विशेष महत्व है।

B
S
E

(17)

प्रश्न 21 का उत्तर

सविनय अवज्ञा आंदोलन

1929 लाहौर अधिवेशन कांग्रेस कार्यसमिति ने 'सविनय अवज्ञा आन्दोलन' को स्वीकृति प्रदान की। लार्ड इरविन ने लाहौर अधिवेशन के 'पूर्ण स्वाधीनता' के प्रस्ताव को मानने से इन्कार कर दिया था। परन्तु गांधी जी अभी भी समझौते की आशा रखते थे। गांधी जी ने 30 जनवरी 1930 को लार्ड इरविन के समक्ष 11 मांगे प्रस्तुत की और निर्णय लिया कि मांगे न माने जाने की स्थिति में सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारंभ किया जाएगा।

गांधी जी चाहते थे कि सरकार विनिमय की दर घटाए, भू-राजस्व कम करे पूर्ण नशाबन्दी लागू हो, हिंसा से दूर रहने वाले राजनीतिक बन्दी छोड़े जाए, सैनिक व्यय में 50% की कमी हो, कपड़ों पर आयात कम हो, नमक कर समाप्त हो आदि गवर्नर ने इन मांगो को मानने से इन्कार कर दिया है। परिणामस्वरूप योजनानुसार गांधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ कर दिया।

(18)

प्रश्न क्र. 23 का उत्तर

प्रजातंत्र की सफलता में बाधक तत्व-

(1.) निर्धनता व बेरोजगारी - भारत में अभी भी 26% आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन निर्वाह कर रही है। भारत में अभी भी शिक्षित अशिक्षित करोड़ों लोगों को नियमित रोजगार के कोई साधन नहीं है।

(2.) (भाषायी, क्षेत्रीय) जातीय, क्षेत्रीय, भाषायी समस्याएँ भारत में सभी लोगों को बिना किसी भेदभाव के स्वतंत्रता, समानता के अधिकार प्रदान किए गए हैं परंतु यथार्थ में देश में प्रचलित जातिवाद, क्षेत्रवाद स्वतंत्रता व समानता के अधिकार को वास्तविक नहीं बनने दे रहे हैं। हिन्दी भाषा के विवाद में दक्षिण भारत में कई आंदोलन हुए हैं।

(3.) निरक्षरता - 2011 की जनगणना के अनुसार देश में साक्षरता का प्रतिशत 73 जबकि महिला साक्षरता 64.6% है। निरक्षरता के कारण राजनीतिक सक्रियता, सहभागिता की कमी रहती है। राजनैतिक जागरूकता की कमी लोकतंत्र के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है।

(4.) सामाजिक कुरीतियाँ - भारतीय समाज परम्परागत समाज है। यहाँ प्रजातंत्र की भावना के अनुकूल लोकमत की अभिव्यक्ति कम है। भारत में अभी भी अस्पृश्यता की भावना, महिलाओं के प्रति भेदभाव, जातीय श्रेष्ठता के भाव, अंधविश्वास जैसी कुरीतियाँ व्याप्त हैं जो प्रजातंत्र को जीवन का अभिन्न अंग नहीं बनने दे रहे हैं।

B
S
E

(19)

प्रश्न क्र.

(5.) संचार साधनों की भूमिका- संचार साधनों के सरकार व नागरिकों में घनिष्ट नाता बनता है। लोकतंत्र मे सरकार द्वारा जनकल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जाती है। परंतु जनसंचार साधनों द्वारा इनका प्रसार केवल व्यवसायिक आधार पर किया जाता है। जबकि जनमत बनाने, जनमत को दिशा देने मे ये महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है।

प्रश्न 26 का उत्तर

बेरोजगारी दूर करने के उपाय -

(1.) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण - जनसंख्या वृद्धि दर पर नियंत्रण करना चाहिए इससे श्रमिकों की पूर्ति दर मे कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ यह भी अतिआवश्यक है।

(2.) लघु कुटीर उद्योगों का विकास- ये उद्योग ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में स्थापित होते हैं व अंशकालीन रोजगार प्रदान करते है। इनमे पूंजी कम लगती है। इनके द्वारा बेकार बैठे किसान और उनके घर के सदस्य अपनी क्षमता, श्रम, कला, कौशल व छोटी -छोटी जमा राशि का प्रयोग कर अपनी आय व रोजगार मे वृद्धि कर सकते है। अतः इनके विकास हेतु सरकार को पूंजी उपलब्ध करानी चाहिए।

(3.) व्यवसायिक शिक्षा- देश की शिक्षा पद्धति मे समयानुसार परिवर्तन की आवश्यकता होती है। हमें शिक्षा को रोजगार अनुरूप बनाना है। हाईस्कूल पास करने के बाद छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार व्यवसायिक शिक्षा चुनने पर जोर देना चाहिए। इससे

अंक

प्रश्न क्र.
शिक्षा प्राप्त कर व्यवसाय में जुड़ सकेगे
देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
(4.) विनियोग में वृद्धि - सार्वजनिक क्षेत्र में बड़े पैमाने
पर पूँजी का विनियोग कर बेरोजगारी दूर की
जा सकती है। निजी क्षेत्र में बड़े उद्योगों को
प्रोत्साहन देना चाहिए जो कि श्रम प्रधान हैं। इन्हे
अपनी पूंजी गहन तकनीक पर नियंत्रण रखना
चाहिए।
(5.) सहायक उद्योगों का विकास - ग्रामीण क्षेत्र में
कृषि के सहायक उद्योग जैसे मछली पालन
मुर्गी पालन, बागवानी, फूलों की खेती आदि
को विकसित किया जाना चाहिए।

B
S
E

प्रश्न 25 का उत्तर
उग्र राष्ट्रवादी व उदारवादी में अंतर
(1.) उदारवादी दल वाले आर्थिक सुधारों के पक्ष में थे
जबकि उग्र राष्ट्रवादी अंग्रेजो को पराजित
कर राजनीतिक स्वतंत्रता को अपना लक्ष्य मानते थे।
उनका कहना था कि स्वतंत्रता के बिना देश की
आर्थिक स्थिति सुधारी नहीं जा सकती।
(2) उदारवादी दल वाले शांतिमय एवं संवैधानिक रास्ता
अपनाकर उद्देश्य प्राप्ति के पक्ष में थे। जबकि उग्र
5 राष्ट्रवादी हिंसा व क्रांतिकारी गतिविधियों द्वारा
उद्देश्य प्राप्ति के पक्ष में थे।
(3.) उदारवादी दल के प्रति सरकार का रुख उदार व करुणा।
पूर्ण व उग्र राष्ट्रवादी दल के प्रति कठोर शत्रुता पूर्ण
था। इसलिए उदारवादी नेताओं को कभी जेल में
बन्द नहीं किया जबकि उग्र राष्ट्रवादी दल वालों
को अनेक बार जेल भेजा गया।

2019

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
सामाजिक विज्ञान	3 0 0	हिन्दी	8 / 09 / 19

8/6

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

119- 1052335

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

9 2 4 3 7 4 8 1

नौ दो चार तीन सात चार आठ एक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

High School Cert Examination

केन्द्र क्रमांक 241044

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

भरतराय

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

मुख्य उत्तर ... तक कुल प्राप्तांक

4. उदारवादी दल वाले पश्चिमी सभ्यता का सराहना करते थे जबकि उग्रराष्ट्रवादी दल को हिन्दु सभ्यता पर गर्व था।

5. ~~उग्र~~ उदार राष्ट्रवादी दल वाले सरकार से कोई विशेष घृणा नहीं करते थे जबकि उग्र राष्ट्रवादी अंग्रेजों को पराजित कर स्वतंत्रता प्राप्ति को अपना लक्ष्य मानते थे।

प्रश्न 25 का उत्तर

व्यवस्थापिका के कार्य -

(1) कानून का निर्माण - देश के सुशासन संचालन के लिए कानून का निर्माण व्यवस्थापिका करती है।

पृष्ठ के अंकों का योग

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

(2) प्रशासनिक कार्य- संघात्मक शासन मे कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है। इसलिए व्यवस्थापिका प्रशासनिक नियंत्रण का कार्य करती है।

(3.) संविधान संशोधन - आवश्यकता पड़ने पर संविधान मे परिवर्तन करना पड़े तो यह कार्य संविधान द्वारा व्यवस्थापिका को दिया गया है।

न्यायिक कार्य- व्यवस्थापिका कई देशो मे न्याय संबंधी कार्य भी करती है। राष्ट्रपति को महाभियोग लगाने पर हटाने का अधिकार व्यवस्थापिका करती है।

निर्वाचन संबंधी कार्य- (व्यवस्थापिका) संसद और विधानसभा से निर्वाचित सदस्य राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति के चुनाव मे भाग लेते है।

प्रश्न 22 का उत्तर

(3)

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

फुहार ,

ओला △

कुहासा =

धीर समीर →

झंझा ////

B
S
E